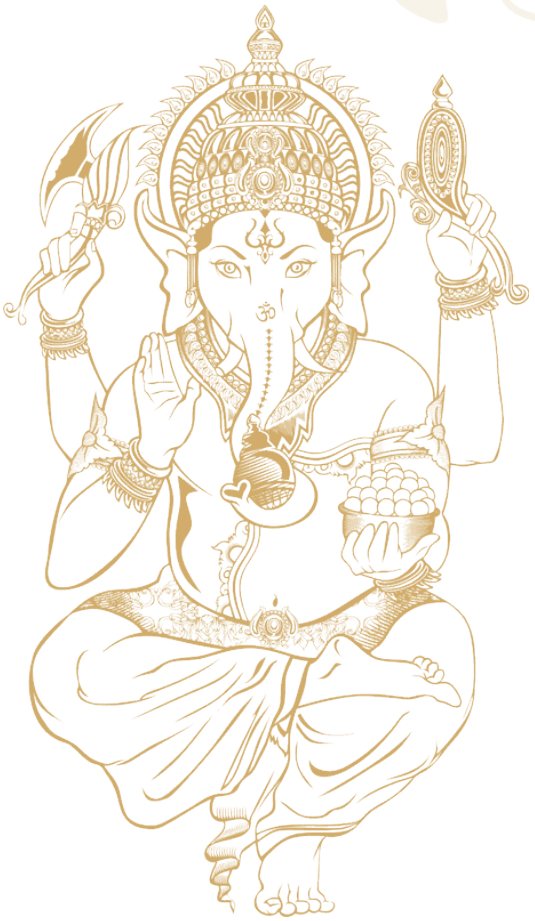

RAJU

04 Apr 1984

08:30 PM

Ballabgarh

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119081514

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
04/04/1984	जन्म तिथि	**05/04/2025**
बुधवार	दिन	शनिवार
घंटे 20:30:00	जन्म समय	09:00:22 घंटे
घटी 35:55:24	जन्म समय(घटी)	07:14:19 घटी
India	देश	India
Ballabgarh	स्थान	Ballabgarh
उत्तर 28:20:00	अक्षांश	28:20:00 उत्तर
पूर्व 77:19:00	रेखांश	77:19:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:44	स्थानिक संस्कार	-00:20:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:07:50	सूर्योदय	06:06:38
18:40:04	सूर्यास्त	18:40:40
23:37:57	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:36

तुला	लग्न	वृष
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
मेष	राशि	मिथुन
मंगल	राशि-स्वामी	बुध
भरणी	नक्षत्र	पुनर्वसु
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	गुरु
4	चरण	1
प्रीति	योग	अतिगण्ड
गर	करण	बव
लो-लोकेश	जन्म नामाक्षर	के-केसरी
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
क्षत्रिय	वर्ण	शूद्र
चतुष्पाद	वश्य	मानव
गज	योनि	मार्जार
मनुष्य	गण	देव
मध्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	मार्जार
41	गत/तत्कालिक वर्ष	42

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
स्वाति	3	16:03:11	तुला		
रेवती	2	21:23:36	मीन		
भरणी	4	26:25:09	मेष		
अनुराधा	1	04:42:35	वृश्चि		
अश्विनी	4	10:09:59	मेष		
पूर्वाषाढ़ा	2	18:21:15	धनु		
पू०भाद्रपद	4	02:24:02	मीन		
विशाखा	1	21:27:56	तुला	व	
रोहिणी	2	14:02:29	वृष	व	
अनुराधा	4	14:02:29	वृश्चि	व	
ज्येष्ठा	1	19:48:05	वृश्चि	व	

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			वृष	13:30:03	2	रोहिणी
सूर्य			मीन	21:23:36	2	रेवती
चंद्र			मिथु	22:02:48	1	पुनर्वसु
मंगल			कर्क	00:47:48	4	पुनर्वसु
बुध	व		मीन	02:51:45	4	पू०भाद्रपद
गुरु			वृष	22:25:36	4	रोहिणी
शुक्र	व		मीन	01:40:42	4	पू०भाद्रपद
शनि			मीन	00:46:26	4	पू०भाद्रपद
राहु	व		मीन	03:04:26	4	पू०भाद्रपद
केतु	व		कन्या	03:04:26	2	उ०फाल्गुनी
मु		अ	मीन	16:03:11	4	उ०भाद्रपद

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:36

लग्न-चलित

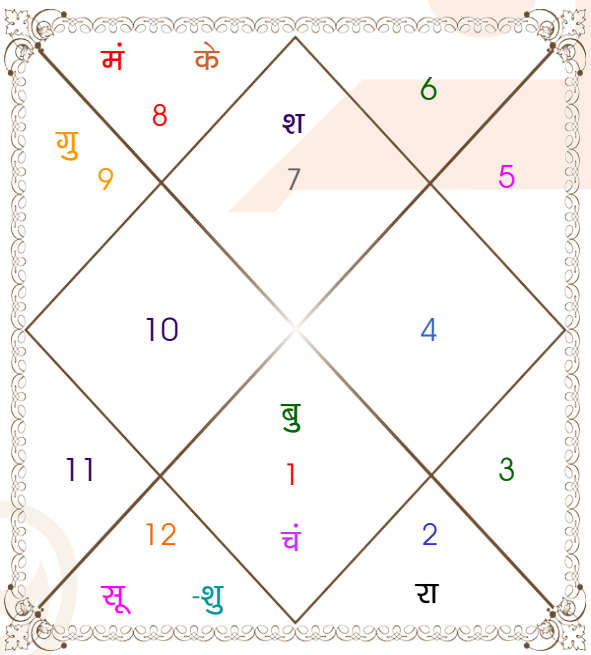

वर्ष लग्न कुंडली

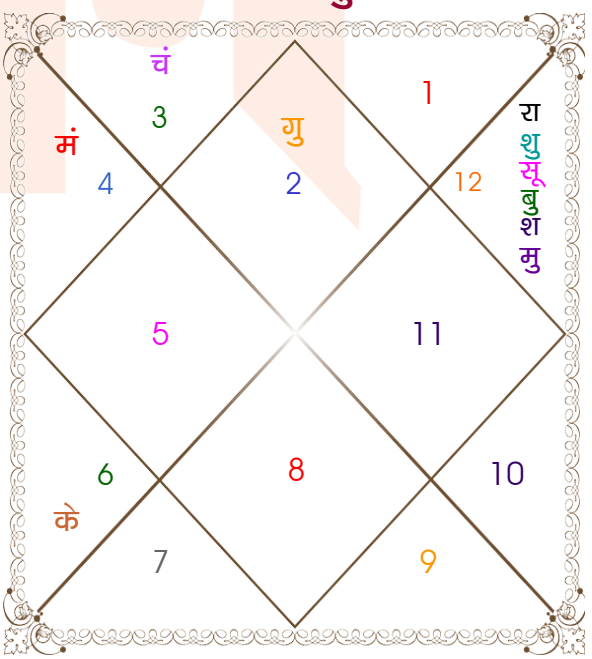

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - मंगल - चंद्र		गुरु - गुरु - गुरु		गुरु - गुरु - शनि		गुरु - गुरु - बुध	
17/07/2025 18:12		18/08/2025 17:14		30/11/2025 14:40		02/04/2026 23:38	
18/08/2025 17:14		30/11/2025 14:40		02/04/2026 23:38		22/07/2026 08:55	
चंद्र	20/07/2025 10:07	गुरु	01/09/2025 13:41	शनि	20/12/2025 03:29	बुध	18/04/2026 14:57
मंगल	22/07/2025 06:52	शनि	18/09/2025 00:29	बुध	06/01/2026 14:58	केतु	25/04/2026 01:29
राहु	27/07/2025 01:55	बुध	02/10/2025 17:43	केतु	13/01/2026 19:41	शुक्र	13/05/2026 11:02
गुरु	31/07/2025 08:12	केतु	08/10/2025 19:10	शुक्र	03/02/2026 09:11	सूर्य	18/05/2026 23:30
शनि	05/08/2025 09:38	शुक्र	26/10/2025 02:45	सूर्य	09/02/2026 13:13	चंद्र	28/05/2026 04:16
बुध	09/08/2025 22:18	सूर्य	31/10/2025 07:25	चंद्र	19/02/2026 19:58	मंगल	03/06/2026 14:49
केतु	11/08/2025 19:03	चंद्र	08/11/2025 23:12	मंगल	27/02/2026 00:42	राहु	20/06/2026 04:12
शुक्र	17/08/2025 02:53	मंगल	15/11/2025 00:39	राहु	17/03/2026 12:50	गुरु	04/07/2026 21:27
सूर्य	18/08/2025 17:14	राहु	30/11/2025 14:40	गुरु	02/04/2026 23:38	शनि	22/07/2026 08:55

गुरु - गुरु - केतु		गुरु - गुरु - शुक्र		गुरु - गुरु - सूर्य		गुरु - गुरु - चंद्र	
22/07/2026 08:55		05/09/2026 19:47		13/01/2027 16:35		21/02/2027 15:38	
05/09/2026 19:47		13/01/2027 16:35		21/02/2027 15:38		27/04/2027 14:02	
केतु	25/07/2026 00:33	शुक्र	27/09/2026 11:15	सूर्य	15/01/2027 15:21	चंद्र	27/02/2027 01:30
शुक्र	01/08/2026 14:22	सूर्य	03/10/2026 23:06	चंद्र	18/01/2027 21:16	मंगल	02/03/2027 20:24
सूर्य	03/08/2026 20:54	चंद्र	14/10/2026 18:50	मंगल	21/01/2027 03:48	राहु	12/03/2027 14:10
चंद्र	07/08/2026 15:49	मंगल	22/10/2026 08:39	राहु	27/01/2027 00:04	गुरु	21/03/2027 05:57
मंगल	10/08/2026 07:27	राहु	10/11/2026 20:10	गुरु	01/02/2027 04:44	शनि	31/03/2027 12:42
राहु	17/08/2026 03:05	गुरु	28/11/2026 03:44	शनि	07/02/2027 08:47	बुध	09/04/2027 17:28
गुरु	23/08/2026 04:32	शनि	18/12/2026 17:14	बुध	12/02/2027 21:15	केतु	13/04/2027 12:23
शनि	30/08/2026 09:15	बुध	06/01/2027 02:47	केतु	15/02/2027 03:47	शुक्र	24/04/2027 08:07
बुध	05/09/2026 19:47	केतु	13/01/2027 16:35	शुक्र	21/02/2027 15:38	सूर्य	27/04/2027 14:02

गुरु - गुरु - मंगल		गुरु - गुरु - राहु		गुरु - शनि - शनि		गुरु - शनि - बुध	
27/04/2027 14:02		12/06/2027 00:55		06/10/2027 22:02		01/03/2028 10:10	
12/06/2027 00:55		06/10/2027 22:02		01/03/2028 10:10		10/07/2028 12:11	
मंगल	30/04/2027 05:40	राहु	29/06/2027 13:41	शनि	30/10/2027 02:45	बुध	19/03/2028 23:51
राहु	07/05/2027 01:18	गुरु	15/07/2027 03:42	बुध	19/11/2027 20:52	केतु	27/03/2028 15:23
गुरु	13/05/2027 02:45	शनि	02/08/2027 15:50	केतु	28/11/2027 09:59	शुक्र	18/04/2028 11:43
शनि	20/05/2027 07:28	बुध	19/08/2027 05:14	शुक्र	22/12/2027 20:00	सूर्य	25/04/2028 01:01
बुध	26/05/2027 18:01	केतु	26/08/2027 00:52	सूर्य	30/12/2027 03:49	चंद्र	05/05/2028 23:11
केतु	29/05/2027 09:39	शुक्र	14/09/2027 12:23	चंद्र	11/01/2028 08:49	मंगल	13/05/2028 14:42
शुक्र	05/06/2027 23:28	सूर्य	20/09/2027 08:38	मंगल	19/01/2028 21:56	राहु	02/06/2028 06:36
सूर्य	08/06/2027 06:00	चंद्र	30/09/2027 02:24	राहु	10/02/2028 21:21	गुरु	19/06/2028 18:04
चंद्र	12/06/2027 00:55	मंगल	06/10/2027 22:02	गुरु	01/03/2028 10:10	शनि	10/07/2028 12:11

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्ठान्न भोजन के प्रति विशेष रूचि रहेगी । इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते है। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा मन में भी शान्ति एवं सन्तुष्टि विद्य मान रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा विगत रूके हुए कार्य सफल होंगे। साथ ही समस्त आशाएं एवं संकल्प भी पूर्ण होंगे तथा कोई भाग्योदय संबधी महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होगा । भौतिक सुख संसाधनों को प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस समय आपके महिला मित्रों की संख्या में भी वृद्धि होगी तथा संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी एवं उनसे आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपको वांछित द्रव्य पदार्थों की भी प्राप्ति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा तथा उन्नति के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। इस समय सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आपसे वे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में पदोन्नति की संभावना बनेगी साथ ही मित्र वर्ग से भी लाभार्जन होगा ।इस वर्ष अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा किसी विशिष्ट परीक्षा आदि में उतीर्ण होंगे तथा संबधियों एवं मित्र वर्ग के मध्य आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी एवं वे सभी लोग आपको पूर्ण स्नेह तथा सम्मान प्रदान करेंगे। राजनीति के क्षेत्र में उन्नति के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा। अतः इस समय आपको इस क्षेत्र में सक्रिय रहकर समय का सदुपयोग करना चाहिए। इससे आपके भविष्य में काफी उन्नति तथा परिवर्तन आ सकते हैं। अतः यत्नशील रहें।